प्रश्न पत्र – MJY-C101 ✓ अर्जिताधिभार 06 35

एम.ए. प्रथम–सत्र

ज्योतिषशास्त्र का इतिहास 70+30=100 पूर्णांक

JYOTISHA SHASTRA KA ITIHASA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा। 6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

खण्ड–1 ज्योतिष शास्त्र की परिभाषा एवं क्रमिक विकास, ज्योतिष के स्कन्धों का परिचय, ज्योतिषशास्त्र का उद्भव स्थान, काल, महत्त्व एवं उपयोगिता

खण्ड–2 ज्योतिष शास्त्र के प्राचीन आचार्यों के ग्रन्थ एवं उनका परिचय, आर्यभट्ट प्रथम, वराहमिहिर, ब्रह्मगुप्त, भास्कराचार्य, आचार्य लगध, गणेशदैवज्ञ एवं कल्याणवर्मा

खण्ड–3 ज्योतिषशास्त्र, कालगणना–मास, ऋतु, अयन, वर्ष, युग, ग्रहकक्षा, नक्षत्र, राशि, सौरमास, चान्द्रमास, सावनदिन, गोल, योगविचार, अमावस्या

खण्ड–4 वेदांग के रूप में ज्योतिष शास्त्र की उपादेयता विषयक विविधमतों की समीक्षा

खण्ड–5 फलितज्योतिष का स्वरूप–विमर्श

सन्दर्भग्रन्थ :

1. भारतीय ज्योतिष शास्त्र का इतिहास–गोरख प्रसाद, हिन्दी संस्थान, लखनऊ
2. भारतीय ज्योतिष शास्त्र का इतिहास–नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
3. विश्वविजय पंचांग – हरदेव शास्त्री, विश्वविजय प्रकाशन
4. ज्योतिषशास्त्र का वास्तविक स्वरूप – स्वामी ब्रह्मनन्द
5. भारतीय ज्योतिष – बालकृष्ण दीक्षित, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
6. हमारा ज्योतिष एवं धर्मशास्त्र – आचार्य हरिहर पाण्डेय, उत्तर प्रदेश, हिन्दी संस्थान, लखनऊ